देहरादून (उत्तराखण्ड)

शनिवार 06.09.2025

समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राज्य सहकारी बैंक की सभी शाखाओं को कम से कम पांच हजार नए खाते खोलने के निर्देश दिए।
- केंद्र सरकार की अंतर मंत्रालयीय टीम सोमवार को उत्तराखंड में आपदा से हुई क्षति का आकलन करेगी।
- पिथौरागढ़ की सोरघाटी के कुमौड़ गांव में आस्था और परंपरा से जुड़ा ऐतिहासिक हिलजात्रा पर्व धूमधाम से मनाया गया।
- देहरादून में आज शाम डालनवाला थाने से देहरादून शहर में लगाए गए 13 आधुनिक लांग रेंज इमरजेंसी सायरनों का उद्घाटन किया जाएगा।

सहकारिता

सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राज्य सहकारी बैंक की सभी शाखाओं को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक शाखा में कम से कम पांच हजार नए खाते खोले जाएं और 30 करोड़ रुपये का डिपॉजिट सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्यों को गंभीरता से पूरा किया जाए, अन्यथा जिम्मेदार प्रबंधकों पर कार्रवाई होगी।

देहरादून में आयोजित बैठक में सहकारिता मंत्री ने पहली अक्टूबर से ऑनलाइन सदस्यता अभियान शुरू करने की घोषणा की, जिसके तहत एक लाख नए सदस्यों को जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंक को सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए स्कूल निर्माण और अस्पतालों के लिए एंबुलेंस जैसी सेवाओं में भी योगदान देना चाहिए।

बैठक में उत्तरकाशी शाखा की शत–प्रतिशत एनपीए वसूली और लाभ अर्जित करने पर सराहना की गई, जबकि काशीपुर शाखा के बेहतर प्रदर्शन की भी तारीफ हुई। वहीं हरिद्वार, गोपेश्वर, खटीमा और बाजपुर शाखाओं के घाटे में चलने पर नाराजगी जताई गई और इन्हें हर हाल में लाभ में लाने के निर्देश दिए गए। राज्य सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक प्रदीप मेहरोत्रा ने सभी शाखाओं को खर्च कम करने, सुरक्षित ऋण देने, डिपॉजिट बढ़ाने और एनपीए नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने को कहा। इस दौरान सहकारिता मंत्री ने अनुपयुक्त स्थानों पर संचालित शाखाओं के स्थानांतरण के लिए कमेटी बनाने के भी निर्देश दिए।

आपदा क्षति

उत्तराखंड में आपदा से हुई क्षति का आकलन करने के लिए केंद्र सरकार की अंतर मंत्रालयीय टीम सोमवार को राज्य के दौरे पर आएगी। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि टीम आपदा प्रभावित जिलों का निरीक्षण कर शासन स्तर पर बैठक करेगी। इसका उद्देश्य राज्य को हुए वास्तविक नुकसान का आकलन कर आगे की आर्थिक मदद का आधार तैयार करना है।

सचिव ने कहा कि नुकसान का वास्तविक आकलन करने के लिए जल्द ही पोस्ट डिजास्टर नीड असेसमेंट प्रक्रिया शुरू होगी। केंद्र सरकार से मिलने वाली विशेष सहायता राशि इसी के आधार पर तय होगी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों ने उत्तराखंड को हरसंभव आर्थिक सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष राज्य में अधिक वर्षा से जनजीवन प्रभावित होने के साथ सड़कों, पुलों, भवनों और अन्य ढांचों को भारी नुकसान हुआ है। केंद्रीय टीम उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पौड़ी, बागेश्वर और नैनीताल जिलों का भ्रमण कर रिपोर्ट तैयार करेगी।

पुरस्कार

चम्पावत जिले के प्राथमिक विद्यालय च्यूरानी की प्रधानाध्यापिका डॉ. मंजू बाला को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 समारोह में सम्मानित किया गया। वे यह पुरस्कार पाने वाली उत्तराखंड की एकमात्र शिक्षिका और राज्य की पहली महिला प्रधानाध्यापिका हैं।

विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने देशभर के 45 उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. मंजू बाला को भी पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. मंजू बाला वर्ष 2005 से प्राथमिक शिक्षा में कार्यरत हैं और विद्यार्थियों को हिंदी व अंग्रेज़ी के साथ स्थानीय भाषा कुमाऊँनी में पढ़ाती हैं। इस त्रिभाषा तकनीक से बच्चों की समझ आसान और प्रभावी बनती है। इसी नवाचार के लिए उन्हें यह सम्मान मिला है।

वे हाईस्कूल और इंटरमीडिएट स्तर के छात्रों को निःशुल्क अंग्रेज़ी कोचिंग भी देती हैं।

जीएसटी

केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा है कि वस्तु और सेवा कर, जीएसटी की नई व्यवस्था से नागरिकों के उपभोग में सुधार होगा और इससे पुंजीगत व्यय पर कोई प्रभाव नहीं पडेगा। एक निजी समाचार चैनल से बातचीत में सुश्री सीतारामन ने कहा कि 99 प्रतिशत वस्तुओं और सेवाओं पर अब या तो शून्य या पांच से 18 प्रतिशत तक का जीएसटी लगेगा। उन्होंने कहा कि पहली बार केन्द्र सरकार ने जीएसटी पर क्षतिपूर्ति मुआवजा और समग्र प्रस्ताव पारित किया है। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम और एल्कोहल उत्पाद जीएसटी के दायरे से बाहर होंगे।

वित्तमंत्री ने बताया कि सरकार उन निर्यातकों की सहायता का प्रयास कर रही है, जिन पर 50 प्रतिशत अमरीकी आयात शुल्क का प्रभाव पड़ा है।

निर्मला सीतारामन ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का उद्देश्य न केवल सभी वस्तुओं का देश में उत्पादन करना है बलकि अनिश्चित वैश्विक व्यापार नीतियों का आत्म सम्मान के साथ सामना करना है।

हिलजात्रा

पिथौरागढ़ की सोरघाटी के कुमौड़ गांव में आस्था और परंपरा से जुड़ा ऐतिहासिक हिलजात्रा पर्व शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। हजारों लोगों ने भगवान वीरभद्र के अवतार माने जाने वाले लखिया बाबा का आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी वर्चुअल रूप से जुड़े और 500 वर्षों से इस परंपरा को संजोने के लिए आयोजकों को बधाई दी।

बरसात के मौसम में मनाया जाने वाला यह पर्व केवल पिथौरागढ़ जिले तक सीमित है और इसकी शुरुआत भी इसी कुमौड़ गांव से हुई थी। कहा जाता है नेपाल नरेश ने महर बंधुओं की वीरता से प्रसन्न होकर उन्हें मुखौटे भेंट किए, जिनसे यह परंपरा शुरू हुई।

मुखौटे पहने पात्र, ढोल–नगाड़ों की थाप पर नृत्य, धान की रोपाई का स्वांग और ग्रामीण जीवन की झलकियां दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। पर्व का मुख्य आकर्षण लखिया भूत का आगमन होता है, जिसे वीरभद्र का अवतार माना जाता है। डरावनी वेशभूषा में आने वाले लखिया भूत को श्रद्धालु फूल और अक्षत अर्पित कर सुख–समृद्धि का आशीर्वाद लेते हैं।

सदियों से मनाया जा रहा यह पर्व आज भी पहाड़ की कृषि परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए हुए है।

लॉन्ग रेंज सायरन

देहरादून में आज शाम डालनवाला थाने से देहरादून शहर में लगाए गए 13 आधुनिक लांग रेंज इमरजेंसी सायरनों का उद्घाटन किया जाएगा। ये सायरन पुलिस चौकियों पर लगाए गए हैं, जिनकी आवाज 8 से 16 किलोमीटर तक पहुंच सकती है। आपदा की स्थिति में लोगों को चेतावनी देने के लिए इन्हें शुरू किया गया है।

उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रिमोट कंट्रोल से सभी सायरनों को एक साथ चालू करेंगे। इस दौरान पूरे शहर में सायरन बजेंगे, जिसके बारे में लोगों को पहले ही जानकारी दी गई है ताकि कोई घबराए नहीं।

दूसरे चरण में विकासनगर, डोईवाला, ऋषिकेश और चकराता समेत अन्य क्षेत्रों में भी सायरन लगाए जाएंगे। इसके बाद शाम साढे छह बजे घंटाघर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत घंटाघर सौंदर्यीकरण कार्यों का लोकार्पण करेंगे। घंटाघर को पारंपरिक शैली में सजाया गया है, जिसमें बगीचे, रंगीन फव्वारे और हाई बीम लाइटें लगाई गई हैं।

दीक्षांत समारोह

आईआईटी रुड़की का 25वां दीक्षांत समारोह शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित हुआ, जिसमें 2 हजार 614 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इनमें 1 हजार 267 स्नातक, 847 स्नातकोत्तर और 500 पीएचडी शामिल हैं।

समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह रहे।

स्नातक में सर्वोच्च अंक पाने वाले वंश सैनी को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक और सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए हार्दिक साहनी को निदेशक स्वर्ण पदक मिला।

मुख्य अतिथि डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि आईआईटी रुड़की देश के स्टार्टअप आंदोलन में बड़ा योगदान दे रहा है। संस्थान को लगातार चौथे वर्ष भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा सर्वाधिक नवोन्मेषी संस्थान का पुरस्कार मिला है और राष्ट्रीय रैंकिंग में छठा स्थान हासिल हुआ है।

वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया कि इस वर्ष संस्थान ने 146 पेटेंट दायर किए, 399 करोड़ की अनुसंधान निधि प्राप्त की और क्वांटम प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा, रक्षा तथा संसाधन प्रबंधन में परियोजनाएं शुरू कीं। आईआईटी रुड़की को खान मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के तहत उत्कृष्टता केंद्र के रूप में भी नामित किया गया।

समारोह में यह भी बताया गया कि चार हजार सात सौ करोड़ से अधिक मूल्य के 180 से ज्यादा स्टार्टअप पंजीकृत हुए और 178 महिला विद्यार्थियों ने पीएचडी प्राप्त की।